आयोजन सलाहकार समिति

- डॉ. दीपशिखा शुक्ला
  प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष- राजनीतिविज्ञान
- डॉ. के.के. भंडारी
  प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष - वाणिज्य विभाग
- डॉ. सतीश कुमार दुबे
  प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष भूगोल - विभाग
- डॉ. के.के. अग्रवाल
  प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष - समाजशास्त्र विभाग
- डॉ. श्रीमती वीणा तिवारी
  प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष इतिहास
- डॉ. सुनील शर्मा
  विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र
- डॉ. सावित्री त्रिपाठी
  प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग
- डॉ. एस.एस. उपाध्याय
  विभागाध्यक्ष - भौतिक शास्त्र
- डॉ. मुकुल सिंह,
  विभागाध्यक्ष - रसायनशास्त्र
- डॉ. अलका दुबे
  विभागाध्यक्ष - प्राणी शास्त्र
- श्री कौशल बंजारे
  विभागाध्यक्ष - कम्प्यूटर एप्लीकेशन
- श्री बालकुंवर साय पैकरा
  विभागाध्यक्ष - संस्कृत
- डॉ. सपना मुखर्जी
  ग्रंथपाल
- डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी
  क्रीड़ाधिकारी

आयोजन समिति

संरक्षक
डॉ. एस.एल. निराला (प्राचार्य)
शास. जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

संयोजक
डॉ. जयश्री शुक्ल
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग

सह-संयोजक
डॉ. परमजीत पाण्डेय
सहा. प्राध्यापक (हिंदी)

सदस्य संयोजक
डॉ. मंजुला पाण्डेय
सहा. प्राध्यापक (हिंदी)

आयोजन सचिव
डॉ. फ्रेदोरा बरवा
सहा. प्राध्यापक (हिंदी)

आयोजन सह सचिव
श्रीमती चैताली सलूजा
सहा. प्राध्यापक (हिंदी)

विश्व हिन्दी दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

आमंत्रण

राष्ट्रीय संगोष्ठी

"वैश्विक पटल पर हिंदी"

10 जनवरी 2023

विद्या च मृतमश्नुते

आयोजक
हिन्दी विभाग
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

-: प्रेरक :-
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
(आई.क्यू.ए.सी.)

-: कार्यक्रम स्थल :-
सभागृह (कक्ष क्र. 30)
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

आमंत्रण

मान्यवर,

सादर अभिवादन एवं अत्यंत हर्ष के साथ आपको सूचित किया जाता है कि विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा '' वैश्विक पटल पर हिंदी '' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है । इस शोध संगोष्ठी में आप सभी प्राध्यापक, शिक्षाविद, शोधार्थी व विद्यार्थी सादर आमंत्रित है।

महाविद्यालय परिचय :- छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर स्थित शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना सन् १९४४ में हुई थी। इस महाविद्यालय में तीन हजार तीन सौ छात्र- छात्राएं अध्ययनरत हैं। अटल बिहारी वाजपेयी वि.वि. बिलासपुर से सम्बद्धता प्राप्त इस महाविद्यालय में १८ विभाग है जिनमें से अधिकांश स्नातकोत्तर एवं शोध केन्द्र भी है। कॉलेज कैम्पस में ग्रंथालय, क्रीड़ा विभाग, प्रयोगशाला एवं वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध है। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए यह शिक्षा संस्थान विख्यात है। बिलासपुर शहर सड़क मार्ग, रेलमार्ग एवं वायुमार्ग से जुड़ा हुआ है।

संगोष्ठी की भूमिका :-भाषा न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है अपितु यह अपने देश काल और संस्कृति की आत्मा होती है। भाषा का स्वरूप निरंतर परिवर्तनशील रहा है और वर्तमान हिंदी भी इसका अपवाद नहीं है। आज हिंदी भाषा विश्व के विराट फलक पर नवल चित्र के समान प्रकट हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की वर्तमान स्थिति मजबूत है। भले ही इसका अतीत काफी संघर्षमय रहा हो परंतु भविष्य उत्साहवर्धक लगता हैं। आगामी वर्षो में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की कूटनीतिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी, भारतीयों के निरंतर प्रवास और भारत का एक बड़ा व्यावसायिक बाजार बनने के साथ ही हिंदी के विस्तार की संभावनाओं का द्वार खुला हुआ दिखाई पड़ता हैं। विगत वर्षो में विश्वपटल पर इतना परिवर्तन आया है कि संसार के लोग यह अनुभव करने लगे हैं कि भारत के बाहर भी भारत है जो अनेक देशों में बिखरा हुआ है। इसमें एक नई चेतना उभर रही है, आत्मविश्वास एवं आत्मगौरव बढ़ रहा है। यह हिंदी के लिए एक स्वर्णिम भविष्य की पूर्व पीठिका है। हिंदी अब नई प्रौद्योगिकी के रथ पर आसीन होकर विश्वव्यापी बन रही है । आज यह स्थापित सत्य है कि अंग्रेजी के दबाव के बावजूद हिंदी बहुत ही तीव्र गति से विश्व भर में सुख- दुख, आशा - आकांक्षा की संवाहक बनने की दिशा में अग्रसर है। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक बार पुन: यह चिंतन मनन करने की आवश्यकता है कि वैश्विक पटल पर हिंदी की दशा और दिशा क्या है जिससे हम हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में उत्तरोत्तर अग्रसर हो सकें।

संगोष्ठी के उपविषय :-

१. विश्व स्तर पर हिंदी
२. वैश्विक परिदृश्य में हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति
३. वैश्विक संवेदन संसार और हिंदी
४. वैश्वीकरण के दौर में हिंदी का महत्व
५. इक्कीसवी सदी में हिंदी का वैश्विक परिदृश्य
६. वैश्विक परिप्रेक्ष्य और हिंदी का महत्व
७. विश्व में हिंदी का स्थान
८. हिंदी के विकास में प्रवासी भारतीय साहित्यकारों का योगदान
९. वैश्वीकरण के संदर्भ में हिंदी का प्रसार और प्रवाह
१०. वैश्विक परिप्रेक्ष्य और हिंदी फिल्म जगत
११. प्रवासी हिंदी साहित्य
१२. वैश्वीकरण के युग में हिंदी भाषा और साहित्य
१३. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य
१४. वैश्वीकरण और हिंदी अनुवाद
१५. हिंदी के विकास में अप्रवासी भारतीय साहित्यकारों का योगदान
१६. विश्व में गतिमान हिंदी का स्थान
१७. विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति की सुगंध बिखेरती हिंदी
१८. वैश्वीकरण में हिंदी भाषा का योगदान
१९. हिंदी भाषा का भूमंडलीकरण
२०. विश्वभाषा की ओर हिंदी के बढ़ते कदम
२१. विश्वग्राम की संकल्पना में हिंदी
२२. वैश्विक क्षितिज पर हिंदी का बहुआयामी स्वरूप
२३. हिंदी अभिव्यक्ति के नए मोर्चे
२४. विश्व में हिन्दी की स्थिति एवं गति
२५. हिंदी के वैश्विक परिदृश्य में बाजारवाद का योगदान
२६. मूल विषय से संबंधित अन्य विषय

शोध पत्र आमंत्रण

संगोष्ठी के विषय/उपविषयों पर आधारित शोध पत्र आमंत्रित है। चुने हुए शोध पत्रों को ISBN के साथ संदर्भ ग्रंथ के रूप में संपादित कर प्रकाशित किया जायेगा। शब्द सीमा 3000 से अधिक न रहे। शोध पत्र कृतिदेव 10 फण्ट साइज 12 में टाइप किया हुआ 5 जनवरी 2023 तक निम्न पते पर भेज सकते है।

ई-मेल :- jpvcollegehindi@gmail.com

पंजीयन शुल्क :

क्र.	विवरण	शुल्क
1.	प्राध्यापक / शिक्षाविद	300/-
2.	शोधार्थी	200/-

संपर्क सूत्र -

9425231154, 8319604968, 9424166516, 9424169406, 9039771619

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752.228225

राष्ट्रीय संगोष्ठी

'वैश्विक पटल पर हिन्दी'

10 जनवरी, 2023

आयोजक	संरक्षक	प्रेरक
हिन्दी विभाग	प्राचार्य	आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

कार्यक्रम स्थल : सभागृह (कक्ष क्रमांक–30)

कार्यक्रम विवरण	समय
1. उद्घाटन सत्र मुख्य अतिथि– डॉ. विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग (छ.ग.) अध्यक्षीय उद्बोधन– डॉ. एस.एल. निराला प्राचार्य	प्रातः 10:30 से 12:00 बजे तक
2. प्रथम तकनीकी सत्र मुख्य वक्ता– डॉ. सतीश चन्द्र चतुर्वेदी प्राध्यापक शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना (मध्यप्रदेश)	दोपहर 12:00 से 01:00 बजे तक
3. द्वितीय तकनीकी सत्र मुख्य वक्ता– प्रो. नीलमणि दुबे प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पं. एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल (मध्यप्रदेश)	दोपहर 01:00 से 02:00 बजे तक
भोजन अवकाश दोपहर 02:00 से 03:00 बजे तक	
4. तृतीय सत्र शोध पत्र वाचन	03:00 से 03:30 बजे तक
5. समापन एवं प्रमाण पत्र वितरण	03:30 से 04:00 बजे तक
आभार प्रदर्शन	

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.-

दिनांक 10.01.2023

राष्ट्रीय संगोष्ठी

'वैश्विक पटल पर हिन्दी'

भाषा न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है, अपितु यह अपने देश काल और संस्कृति की आत्मा है। भाषा का स्वरूप निरंतर परिवर्तनशील रहा है और वर्तमान हिन्दी भी इसका अपवाद नहीं है। आज हिन्दी भाषा विश्व के विराट फलक पर नवल चित्र के समान प्रकट हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की वर्तमान स्थिति मजबूत है, भले ही इसका अतीत काफी संघर्षमय रहा हो परन्तु भविष्य उत्साहवर्धक लगता है। आगामी वर्षो में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की कूटनीतिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी, भारतीयों के निरंतर प्रवास और भारत का एक बड़ा व्यवसायिक बाजार बनने के साथ ही हिन्दी के विस्तार के साथ ही संभावनाओं का द्वार खुला हुआ दिखाई पड़ता है।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय परिवार व निम्नांकित छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की।

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
01	वर्षा रानी पाटले	PHD हिन्दी	Patley
02	सुमनलता दुबे	M.A. हिन्दी, भूगोल	Sumanlata
03	Dipti Kashyap	B.A. III	Dipti
04	पीयूष पाटले	B.A. I	पीयूष
5	Pankaj Singh Thakur	B.A. I	Singh
6	कुसुम	B.A. III	कुसुम
7	देवकुमारी उइके	B.A. III	Devkumariuike
8.	करिश्मा	B.A. III	करिश्मा
9	मेघा खुटे	B.A. III	Megha
10	रोशनी धुर्वे	B.A. III	रोशनी धुर्वे
11	अनिता लहरे	M.A. III	Anita
12	रंजीता कौशिक	M.A. III	Ranjeeta
13	कुलेश्वरी साहू	एम.ए. प्रथम सेम.	कुलेश्वरी
14	सीमा कश्यप	एम.ए. प्रथम सेम.	[illegible]

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
15	शालिनी कश्यप	एम. ए. प्रथम सेमि.	Shalini
16	जुगल किशोर	कौरव तृतीय वर्ष	Kishore
17	कविता साहू	B.A.I प्रथम वर्ष	Kavita
18	दिपाली महोबे	B.A.I प्रथम वर्ष	Dipali
19	अनीषा साहू	B.A.I प्रथम वर्ष	Anisha
20	मनीषा साहू	B.A.III तृतीय	Manisha
21	ममता यादव	M.A III semester	Mamta yadav
22	करुणा पैकरा	B.A.I. प्रथम वर्ष	karuna paikara
23	खुशी पैकरा	B.A.I प्रथम वर्ष	Khushi
24	अभिषेक कोचारे	B.Com.I प्रथम वर्ष	Abhishek
25	Suhavan	M.Com I.st	Schou
26	Preeti Khandey	B.A III. yr	Preeti
27	Sneha Dahire	B.A. III. yr.	[illegible]
28	युवराज	M.A – I	Yuvraj
29	दिवाकर साहू	M.A – I yr	दिवाकर साहू
30	सोम कुमार पुरी	B.A – I प्रथम वर्ष	Som
31	नंदकिशोर साहू	M.A. प्रथम	नंदकिशोर
32	राहुल बंजारे	B.A – I प्रथम	Rahul B
33	भूपेन्द्र चतुर्वेदी	B.A I	[illegible]
34	रोशन	B.A. I	[illegible]
35	सुरज	B.A. I	[illegible]
36	Deepak	M.A. III Sem.	[illegible]
37	मितेश कुमार साहू	B.A. I Year	मितेश साहू
38	विश्वजीत मुखर्जी	B.A. I Year	विश्वजीत
39	किशन रजक	B.A. I Year	Kishan
40	लुकेश्वर यादव	B.A. II. year	[illegible]
41	आशीष पुरी	B.A. I	Ashish
42	अमन कुर्रे	B.A III	Aman

(43)	सुखदेव	बी.ए. तृतीय वर्ष	[signature]
44	प्रयासचन्द	बी। एम ए प्रथम	[signature]
45	कुलेश्वरी साहू	एम ए प्रथम	[signature]
46	लक्ष्मण कैवर्त	एम ए प्रथम	[signature]
47	अभय गुप्ता	एम ए प्रथम	अभय
48	विनय कुमार वारे	एम-ए तृतीय	विनय
49	जितेश कुमार पटेल	एम-ए. तृतीय	Patel
50	संतोष कुमार साहू	एम.ए. प्रथम	[signature]
51	राजकिरन	एम .ए. प्रथम	राजकिरन
52	नंदिनी सोनी	एम . ए. तृतीय	Nandini
53	अपर्णा शर्मा	एम .ए. तृतीय	Aparna.
54	कामिनी	M.A. 3rd sem	Kamini
55	श्रवण	M.A. 3rd Sem	[signature]
56	AJAY KUMAR BANJARE	M. COM 1st SEM	[signature]
57	Aashila Kumar	M.com I Semester	[signature]
58	Sarita Sahu	M.A. Hindi I sem	Sarita
59	Preeti sharma	M.A Hindi I sem	Preeti
60	suman Shing	M.A Hindi I Sem	Singh
61	Samina hussain	M.A Hindi I Sem	[signature]
62	Varsha Dhruw	M.A. Hindi III Sem	Varshadhruw
63	Yogesh Kumar	B.A. III	योगेश कुमार
64	दीपिका	M.A. III sem.	Deepika
65	सत्यवती	M.A III Sem.	सत्यवती
66	सूर्यकांत सूर्यवंशी	M.A III sem.	सूर्यकांत
67	सन्नी कुमार	M A III Sem	[signature]
68	संतोषी सिंगरौल	M.A I Sem.	संतोषी
69	सुरेन्द्र महंत	M.A III Sem	Surendra
70	विरेन्द्र	M.A III Sem	Virendra
71	अनिल कुमार	B.A. III	Anilkumar

[signature] Principal

[stamp]

[signature]
डॉ. जयश्री शुक्ल
विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.) फोन / फैक्स नं.—07752 228225

दिनांक 10.01.2023

राष्ट्रीय संगोष्ठी

'वैश्विक पटल पर हिन्दी'

भाषा न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है, अपितु यह अपने देश काल और संस्कृति की आत्मा है। भाषा का स्वरूप निरंतर परिवर्तनशील रहा है और वर्तमान हिन्दी भी इसका अपवाद नहीं है। आज हिन्दी भाषा विश्व के विराट फलक पर नवल चित्र के समान प्रकट हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की वर्तमान स्थिति मजबूत है, भले ही इसका अतीत काफी संघर्षमय रहा हो परन्तु भविष्य उत्साहवर्धक लगता है। आगामी वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की कूटनीतिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी, भारतीयों के निरंतर प्रवास और भारत का एक बड़ा व्यवसायिक बाजार बनने के साथ ही हिन्दी के विस्तार के साथ ही संभावनाओं का द्वार खुला हुआ दिखाई पड़ता है।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय परिवार ने सहभागिता की।

क्र.	प्राध्यापक / सहा.प्राध्यापक का नाम	विषय / विभाग	हस्ताक्षर
01	डॉ० दिलीप कुमार तिवारी	हिन्दी विभाग	[illegible]
02	डॉ संजीव द्विवेदी	संगीत विभाग	[illegible]
03	डॉ. ओम प्रकाश तिवारी	हिन्दी विभाग	[illegible]
04	आदित्य कुमार चौधरी	हिन्दी विभाग (C.V.R.U.)	[illegible]
05	वर्षा शर्मा पाटले	हिन्दी विभाग	Patley
06	Dr. M. K. BANDEY	Sociology	[illegible]
07	डॉ॰ सुनीता राठौर	हिन्दी विभाग	S.Rathore
08	डॉ. शिवलाल शर्मा	हि. वि.	[illegible]
09	डॉ० अनिता सिंह	हिन्दी	अनिता
10	अनिता पटेल	हिन्दी	[illegible]
11.	डॉ. अंजलि शर्मा	हिन्दी- विभाग	[illegible]
12.	डॉ सतीश दुबे	भूगोल विभाग	[illegible]
13.	डॉ. के. के. भण्डारी	वाणिज्य	[illegible]
14.	डॉ. एम. एम. उपाध्याय	भौतिकी	[illegible]
15	राम कुमार [illegible]	रसायन	[illegible]
16	नेतनाथ [illegible]	इतिहास	[illegible]

17	[illegible]	[illegible]	
18	डॉ० [illegible] तिवारी	शासकीय [illegible] महा०	
19	Dr. Savitri Tripathi	— " —	
20	Dr. Sapna Mukherje	— " —	
21	Sonal Kumar	भूगोल विभाग	
22	डॉ माधुरी सिंह ठाकुर	भूगोल विभाग	
23	अनीता देशमुख	(हिन्दी) कुरूद [illegible] धमतरी	
24	कु० [illegible] सेनापति (हिन्दी)	श्री गुरु [illegible] महा० कुरूद धमतरी	
25	अंजली खलखो (हिन्दी)	शा० दू० ब० महिला (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर	
26	Jaleshwar Sonche	Govt. J.P. Verma College BSP (वनस्पति शास्त्र)	
27	डॉ० सरिता पाण्डेय	शास० नवीन महावि० [illegible]	
28	डॉ० [illegible] कुमार [illegible]	शास० [illegible] महाविद्यालय	
29	Dr. K. K. Sinha	शास० महा० पेण्ड्रा	
30	डॉ० [illegible] पाण्डे	शास० महावि० कोटा	10/1/23
31	Dr Kishori Patel	Govt. College, Kota	10.01.23
32	JYOTI KUSHWAHA	Hemchand Yadav Uni. Durg	10/1/23
33	Dr. Alka Dubey	Govt. J.P. Verma Arts Commerce College	10/01/23
34	Dr. Archana Pandey	Govt. J. P. Verma Arts and Commerce College	10/01/23
35	Mrs. Alka Shukla	Govt. J.P. Verma P.G. Arts & Comm., Bsp	10 Jan. '23
36	Dr. K. K. Sinha	Govt. College Pendra	10/10/23

डॉ. जयश्री शुक्ल
विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
शास. जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Principal
Govt. J.P.Verma P.G.Arts
& Commerce College
Bilaspur (C.G.)

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''वैश्विक पटल पर हिंदी''

10 जनवरी 2023

आयोजक - हिन्दी विभाग

प्रेरक - आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री/श्री/श्रीमती/डॉ. .....

महाविद्यालय/विश्वविद्यालय .....

ने ''वैश्विक पटल पर हिंदी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ / वाचनकर्ता / प्रतिभागी के रूप में

..... शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत किया।

हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं ।

डॉ. जयश्री शुक्ला	डॉ. एस.एस. उपाध्याय	डॉ. एस.एल.निराला
संयोजक	समन्वयक - आई.क्यू.ए.सी.	प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752.228225

बिलासपुर, दिनांक 10/01/2023

–: प्रतिवेदन :–

राष्ट्रीय संगोष्ठी

"वैश्विक पटल पर हिन्दी"

शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) में हिन्दी विभाग द्वारा 'विश्व हिन्दी दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार पाठक (पूर्व अध्यक्ष राजभाषा आयोग) कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एल. निराला, प्रथम तकनीकी सत्र के प्रमुख वक्ता डॉ. सतीशचन्द्र चतुर्वेदी प्राध्यापक, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुना (मध्यप्रदेश) तथा द्वितीय तकनीकी सत्र की मुख्य वक्ता प्रो. नीलमणि दुबे प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पंडित एस.एन. शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल (मध्यप्रदेश) विभिन्न महाविद्यालय से आये प्राध्यापक एवं समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. जयश्री शुक्ल ने संगोष्ठी के विषय के साथ ही तथा हिन्दी विभाग की स्थापना में विभिन्न विभूतियों के योगदान एवं 'विश्व हिन्दी दिवस' को मनाने के उद्देश्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि 'विश्व हिन्दी दिवस' की संकल्पना डॉ. शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव के द्वारा की गई थी। किसी एक दिवस को 'विश्व हिन्दी दिवस' घोषित कर उस दिन समस्त विश्व में अपने दूतावास और उच्चायोग एवं वाणिज्यिक संस्थानों के माध्यम से इसकी ओर उन देशों का भी ध्यानाकर्षण होना, जिनके साथ हमारे राजनयिक सम्बंध नहीं है पर भविष्य में हो सकते हैं। 10 जनवरी, 1975 को प्रथम 'विश्व हिन्दी सम्मेलन' का आयोजन नागपुर में किया गया और इसी तिथि से वर्ष 2006 में पहली बार 10 जनवरी को 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया गया। इस दिवस का उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए जागकरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिवस को विशेष रूप से मनाते हैं।

मुख्य अतिथि की आसंदी से डॉ. विनय कुमार पाठक ने "वैश्विक पटल पर हिन्दी" की भूमिका पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय आन्दोलन में हिन्दी भाषा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने खड़ी बोली हिन्दी को जन आन्दोलन का माध्यम बनाया। हिन्दी लोक की ताकत है। भारतीय राष्ट्रीयता की पहचान भी हिन्दी भाषा से है। ऐतिहासिक दृष्टि से हिन्दी भाषा का स्रोत वैदिक साहित्य, संस्कृत साहित्य, पालि, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाएँ है। राजनीतिक कारणों से हिन्दी भाषा में अरबी–फारसी की धाराएँ भी एकाकार हो गई हैं। भारत में अंग्रेजी राज के कारण यूरोपीय भाषाओं की शब्दावली हिन्दी में आत्मसात हो गई है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी की लोकप्रियता और भूमिका

महत्वपूर्ण रही है। संसार भर में 6000 भाषाएँ, जनपदीय बोलियाँ, लोक भाषाएँ और प्रान्तीय भाषाएँ बोली जाती है। उनमें 'हिन्दी' से हिन्दुई, हिन्दवी, रेख्ता, उर्दू, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी, खड़ी बोली और हिंगलिश तक बदलते स्वरूपों में हिन्दी अनेक उतार–चढ़ाव झेलती हुई उत्तरोत्तर विकसित हुई है। हिन्दी जनभाषा के अन्तर्गत भारतीय धर्म, संस्कृति, संगीत, साहित्य और साधना की अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात् विश्व एक परिवार है और हिन्दी की भूमिका इसी पथ पर गतिमान है।

प्रथम तकनीकी सत्र प्रमुख वक्ता डॉ. सतीशचन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि विश्व पटल पर हिन्दी गिरमिटिया मजदूरों के कारण पहुँची और उनके वंशजों द्वारा पल्लवित पुष्पित हुई। आज वह अपने साहित्य, सिनेमा, योग, आयुर्वेद के कारण विश्व में अपना परचम लहरा रही है। वैश्वीकरण के दौर में बाजार एवं संचार क्रांति के साथ वह कदम से कदम मिलाकर चल रही है। आज वह विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी है। इस पर हमें गर्व है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना भी इसके विस्तार का सूचक है। इस तथ्य की पुष्टि अनेक शिक्षाविदों के द्वारा की गई। हिन्दी के वैश्विक स्वरूप को देखकर विदेशी साहित्यकारों में रूस के प्रमुख साहित्यकार एवं ''श्रीरामचरितमानस'' के पद्यानुवाद करने वाले सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ लेनिन' प्राप्त वारनिन्नको की मान्यता अनुसार जो लोग हिन्दी को कठिन समझते हैं, वे हिन्दी से परिचित ही नहीं हैं। योरोपीय विद्वान रेवरेंड, फादर डॉ. कामिल बुल्के हिन्दी प्रेम के कारण वैल्जियम की नागरिकता त्यागकर भारत के नागरिक बने तथा जीवन पर्यन्त भारत में रहे। यही हिन्दी का वैश्विक प्रभाव है।

द्वितीय तकनीकी सत्र प्रमुख वक्ता डॉ. नीलमणि दुबे मैडम ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी का शब्दकोश सर्वाधिक समृद्ध है और विश्व का सबसे बड़ा शब्दकोश है। हमें अहंकार न हो पर स्वाभिमान हममें होना चाहिए। विश्व चेतना समृद्ध होने के कारण हिन्दी विश्व भाषा है और रहेगी आज विश्व रूपी राम आशा की दृष्टि से संस्कार और नैतिकता के लिये हिन्दी की ओर देख रहा है। संस्कार का प्रकाश देकर हिन्दी अमा–निशा दूर करने में समर्थ है। यही युग रूपी राम की शक्ति की उपासना है। वस्तुतः हिन्दी का विस्तार अपनी आंतरिक शक्ति, गुणवत्ता, सरलता एवं लोकप्रियता से विश्व पटल पर हो रहा है। हिन्दी भाषा समस्त भारतीय भाषाओं एवं अन्तर्राष्ट्रीय भाषाओं के साथ जुड़कर भारत की राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का प्रबल माध्यम बनकर संयुक्त राष्ट्र संघ (यू.एन.ओ.) की भाषाओं में अपना स्थान ग्रहण करेगी, तो विश्व पटल पर अपने उचित और गौरवपूर्ण पद पर आसीन होगी। विश्व पटल पर हिन्दी भाषा का भविष्य उज्ज्वल है।

अध्यक्ष की आसंदी से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्यामलाल निराला ने कहा कि हिन्दी व्यवहार की भाषा के साथ–साथ विश्व भाषा बनने की सामर्थ्य रखती है। हिन्दी को विश्व भाषा बनाने एवं साहित्यिक भाषा के रूप में विश्व स्तर पर स्थापित करने की बात कही। आज हिन्दी विश्व के 150 विश्वविद्यालय में पढ़ाई जाती है। विभिन्न देशों में हिन्दी भाषा की महत्ता एवं उपयोगिता पर अपनी बात रखते हुए कहा कि वैज्ञानिक आविष्कारों, तकनीकी का विकास, उदारीकरण, वैश्वीकरण, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, विश्व बाजारवाद, मीडिया, अनुवाद, विज्ञापन, कम्प्यूटर नेटवर्क, जनसंचार, वाणिज्य–व्यापार, फिल्म उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी के कारण मानवता की एकता, विश्वशांति और वैश्विक सांस्कृतिक एकता में हिन्दी की भूमिका सहायक सिद्ध हो रही है। 21वीं सदी में हिन्दी भाषा विश्व की सर्वाधिक प्रचलित भाषाओं की

प्रतियोगिता में प्रवेश कर गई है तथा प्रयोजनमूलक और रोजगारोन्मुख (जॉब ऑरियेन्टेड) होने से हिन्दी में रोजगार की अपार सम्भानाएँ दृष्टिगोरचर होती है। अनेक देशों में प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में हिन्दी की लोकप्रियता निरंतर जारी है। सोशल मीडिया में हिन्दी की भूमिका बड़ी तेजी से बढ़ रही है। इसी उपयोगिता के कारण हिन्दी के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हो रही है।

तृतीय सत्र में शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र का वाचन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. मंजुला पाण्डेय द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती चैताली सलूजा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिन्दी विभाग की डॉ. जयश्री शुक्ल, डॉ. परमजीत पाण्डेय, डॉ. फेदोरा बरवा एवं समस्त महाविद्यालय परिवार का योगदान रहा।

(डॉ. जयश्री शुक्ल)
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

(डॉ. एस.एल. निराला)
प्राचार्य
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

Principal
Govt. J.P.Verma P.G. Arts
& Commerce College
Bilaspur (C.G.)

फा षड़ा मामा था

राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी का महत्वपूर्ण योगदान

नई दुनिया 11/1/2023

बिलासपुर(नईदुनिया प्रतिनिधि)। शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डा. विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी लोक की ताकत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डा.एसएल निराला ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र के प्रमुख वक्ता डा. सतीशचंद्र चतुर्वेदी प्राध्यापक, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुना तथा द्वितीय तकनीकी सत्र की मुख्य वक्ता प्रो. नीलमणि दुबे प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पंडित एसएन शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल समेत विभिन्न महाविद्यालय से आए

राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल अतिथि व कालेज स्टाफ ● नईदुनिया

प्राध्यापक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डा. पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी भाषा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने खड़ी बोली हिंदी को जन आंदोलन का माध्यम बनाया। इस अवस पर हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष ज जयश्री शुक्ल, डा.मंजुला, चैत सलूजा, डा. परमजीत पांडेय, डा. पे बरवा एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे

हिन्दी विभाग
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
विश्व हिन्दी दिवस
10 जनवरी 2023
राष्ट्रीय संगोष्ठी
"वैश्विक पटल पर हिंदी"
10 जनवरी 2023
-: प्रेरक :-
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
आयोजक
हिन्दी विभाग
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
विश्व हिन्दी दिवस
10 जनवरी 2023
राष्ट्रीय संगोष्ठी
"वैश्विक पटल पर हिंदी"
10 जनवरी 2023
-: प्रेरक :-
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
आयोजक
हिन्दी विभाग
बिलासपुर (छ.ग.)